भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3919
बुधवार, 22 दिसम्बर, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

मौसम संबंधी सलाह

3919 श्रीमती शर्मिष्ठा सेठी :

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(ज) क्या देश में कुल किसानों की तुलना में कृषि के बारे में मौसम संबंधी सूचना प्राप्त करने वाले किसानों की संख्या बहुत कम है;

(झ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और कृषि के बारे में मौसम संबंधी सेवाओं के संबंध में ऐसी जानकारी प्राप्त करने वाले किसानों की वास्तविक राज्य-वार संख्या कितनी है; और

(ञ) सरकार द्वारा किसानों की संख्या में वृद्धि करने के लिए क्या कार्रवाई की गई है ताकि उन्हें मौसम संबंधी सूचना का लाभ मिल सके और मीडिया के विभिन्न स्त्रोतों के माध्यम से जानकारी का प्रसार किया जा सके एवं इस संबंध में गत तीन वर्षों के दौरान सरकार की वित्तीय विविक्षाएं क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ख) जी, नहीं। समय के साथ कृषि मौसम विज्ञान संबंधी परामर्शिकाएं प्राप्त करने वाले किसानों की संख्या बढ़ रही है। वर्तमान में, देश में 43.37 मिलियन किसान सीधे एसएमएस के माध्यम से एग्रोमेट परामर्शिकाएं प्राप्त कर रहे हैं। कृषि मौसम सेवाओं के बारे में ऐसी जागरूकता प्राप्त करने वाले किसानों की वास्तविक संख्या का राज्य-वार विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ग्रामीण कृषि मौसम सेवा स्कीम के तहत बारिश की स्थिति और मौसम के विपथन की निगरानी करता है और समय-समय पर किसानों को अलर्ट और चेतावनियां जारी करता है। किसानों द्वारा समय पर संचालन करने के लिए उपयुक्त सुधारात्मक उपायों के साथ चरम मौसम की घटनाओं के लिए एसएमएस-आधारित अलर्ट और चेतावनियां जारी की जाती हैं। आपदा के प्रभावी प्रबंधन के लिए इस तरह के अलर्ट और चेतावनियां राज्य के कृषि विभाग के साथ भी साझा की जाती हैं।

(ग) प्रचालनरत कृषि मौसम परामर्शी सेवाएं अर्थात् ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) स्कीम, जो आईएमडी द्वारा आईसीएआर और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के साथ संयुक्त रूप से संचालित की गई है, देश में कृषक समुदाय के लाभ के लिए मौसम आधारित फसल और पशुधन प्रबंधन रणनीतियों और संचालनों की दिशा में एक कदम है। स्कीम के तहत, जिला और ब्लॉक स्तर पर मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान सृजित किए जाते हैं और पूर्वानुमान के आधार पर, कृषि मौसम परामर्शिकाएं तैयार कर राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित कृषि मोसम क्षेत्र इकाइयों, आईसीएआर संस्थानों, आईआईटी आदि तथाआईसीएआर नेटवर्क के तहत कृषि विज्ञान केंद्रों पर जिला कृषि मौसम इकाइयों को प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को किसानों को जारी की जाती हैं।ये पूर्वानुमान और कृषि मौसम परामर्शिकाएं किसानों को दिन-प्रतिदिन के कृषि कार्यों के संबंध में निर्णय लेने में मदद देती हैं, जो कम वर्षा की स्थिति और चरम मौसम की घटनाओं के दौरान मौद्रिक नुकसान को कम करने और फसल की उपज को अधिकतम करने के लिए कृषि स्तर पर इनपुट संसाधनों के अनुप्रयोग को और इष्टतम कर सकती हैं।

कृषि मौसम परामर्शी सेवाएं किसानों को किसान पोर्टल के माध्यम से मोबाइल फोन का उपयोग करके एसएमएस सहित प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूर-दर्शन, रेडियो, इंटरनेट आदि जैसे मल्टीचैनल प्रसार प्रणाली के माध्यम से तथा सरकारी निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के तहत निजी कंपनियों के माध्यम से प्रसारित की जाती हैं।

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए 'मेघदूत' मोबाइल ऐप के माध्यम से किसान अपने जिलों के लिए विशिष्ट अलर्ट और संबंधित कृषि मोसम परामर्शिकाओं सहित मौसम की जानकारी प्राप्त करते हैं। ये मौसम विवरण किसानों द्वारा कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए एक अन्य ऐप 'किसान सुविधा' के माध्यम से भी उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, कुछ एएमएफयू ने अपने क्षेत्र के किसानों को कृषि मौसम परामर्शिकाएं के त्वरित प्रसार की सुविधा के लिए मोबाइल ऐप विकसित किए हैं। किसानों को पूर्वानुमान और परामर्शिकाओं के त्वरित प्रसार के लिए सोशल मीडिया का उपयोग भी किया जाता है।

वर्तमान में, 3325 ब्लॉकों के 91,881 गांवों के किसानों को 10464 वाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से कवर किया गया है। इन वाट्सएप ग्रुपों में जिला एवं ब्लॉक स्तर के राज्य कृषि विभाग के अधिकारी भी शामिल हैं। देश भर में एएमएफयूऔर डीएएमयूद्वारा यूट्यूबचैनल के माध्यम से भी कृषि मौसम परामर्शिकाएं प्रसारित की जाती है। किसानों का फीडबैक भी लिया जा रहा है और यूट्यूब चैनल में अपलोड किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, एएमएफयूऔर डीएएमयूद्वारा बनाए गए अनेक फेसबुक पेजों के माध्यम से भी परामर्शिकाएं प्रसारित की जा रही है। राज्य सरकार के मोबाइल ऐप और वेबसाइटों के साथ मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम परामर्शिकाओं के एकीकरण के लिए राज्य सरकार के सहयोग से पहल की गई है। मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान और नागालैंड राज्यों के लिए एकीकरण पूरा हो चुका है और उपर्युक्त राज्यों के लगभग 5.6 मिलियन किसान मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम परामर्शिकाओं से लाभान्वित हो रहे हैं।

आईएमडी देश के विभिन्न हिस्सों में एएमएफयू और डीएएमयू के सहयोग से किसान जागरूकता कार्यक्रम (एफएपी) आयोजित करके कृषक समुदाय के बीच सेवाओं को लोकप्रिय बनाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। एएमएफयू और डीएएमयू के विशेषज्ञों के साथ आईएमडी भी सेवाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए किसान मेलों, किसान दिवस आदि में भाग लेते हैं, ताकि अधिक से अधिक किसान लाभान्वित हों।

अनुलग्नक I

जीकेएमएस के तहत किसान पोर्टल और पीपीपी मोड के माध्यम से राज्यवार भेजे गए एसएमएस

राज्य	किसान पोर्टल	रिलायंस फा उंडेशन	किसान संचार	ऐप्स और अन्य	कुल
अंडमान निकोबार द्वीप समूह	7574				7574
आंध्र प्रदेश	4107299	826280	106		4933685
तेलंगाना	808257	212426			1020683
अरुणाचल प्रदेश	1076				1076
असम	65651				65651
बिहार	537957	148755	3755	799845	1490312
छत्तीसगढ़	29476	55610			85086
गुजरात	964960	1255898			2220858
हरियाणा	1965154		2078	362000	2329232
हिमाचल प्रदेश	650413				650413
जम्मू और कश्मीर	23408				23408
झारखंड	846016	89772	800		936588
कर्नाटक	321299	150161			471460
केरल	588235	193215			781450
मध्य प्रदेश	1387846	278673	3415		1669934
महाराष्ट्र	5260190	1333544	1816		6595550
मणिपुर	197				197
मेघालय	1160				1160
मिजोरम	1200				1200
नगालैंड	28825				28825
नई दिल्ली	7849				7849
उड़ीसा	1908903	1223550			3132453
पंजाब	688146	146498			834644
राजस्थान	1556630	264040	2127		1822797
तमिलनाडु	1168382	1009248	109		2177739
त्रिपुरा	18166	28448			46614
उत्तर प्रदेश	10657604	216000	6418		10880022
उत्तराखंड	189546	14032	3964		207542
पश्चिम बंगाल	838849	109704			948553
कुल	**34630268**	**7555854**	**24588**	**1161845**	**43372555**